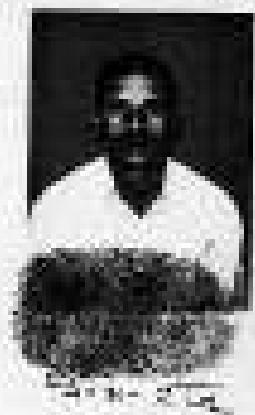


L 7961/04

28
170



03CC 306440



विक्रय विलेख

निकय मूल्य : रु० 5,42,588/-
 बाजार मूल्य : रु० 3,17,000/-
 स्टाप शुल्क : रु० 54,200/-
 परगना : लखनऊ

यह विक्रय विलेख शिवधरन पुत्र श्री पाँचु निवासी-ग्राम
 अहममऊ, परगना तहसील व जिला लखनऊ विन्हे आगे
 विक्रय कला गया है. एवम् राजू पुत्र रामधनी निवासी-254

शिवधरन

1

संस्कृत विश्वविद्यालय, काशी

दिनांक 2-12-04

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

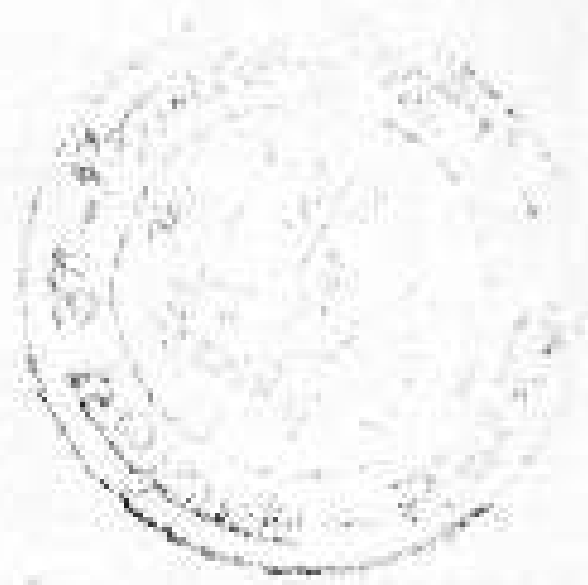
पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000

पृष्ठ 20000





03CC 306441

2-

चन्द्रलोक कालोनी, अलीगंज, लखनऊ, जिन्हें आगे कंता कहा गया है, के साथ निष्पादित किया गया।

यह कि गिल्लेता भूनि सन्वापित घटवार्मिक खालोनी सन् 1409 से 1414 फल्लो के खाला खालोनी तम सन् 90 के खसरा सल्ल्या-659/रकबा 0.771 हेक्टेअर, व खसरा सल्ल्या-639/1271 रकबा 0.095 हेक्टेअर कुल दो किला व कुल रकबा 0.877 हेक्टेअर या 1/3 भाग अर्थात् 0.289 हेक्टेअर स्थित ग्राम

लिकन

1

सर्वोच्च न्यायालय, कोलकाता

दिनांक २-१२-५५

सूचना संख्या २७४४२ -

मार्ग १ राजस्व सहायक (कम)

मार्ग २ राजस्व सहायक (कम)

(कम)

(कम)





05AA 685789

- 3 -

अहममऊ, परगना, तहसील व जिला- लखनऊ, का मालिक, कर्मिल व काबिज है तथा उपरोक्त सन्धिपित भट्टवार्धिक खाता अर्थात् क्रम संख्या 90 के अनुसार उक्त भूमि विहारा के नाम का अमल दरानन्द राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रता अपना सम्पूर्ण हित्ता अपने पुत्रे हीरा हवाल में जाता की हल विक्रय विलेख द्वारा विक्रय कर रहा है विहारा उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कर्मिल व काबिज है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि

1000Rs.



- 4 -

कृषि भूमि है, और यह कि विक्रता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं साफ व ताफ है तथा विक्रता ने उसे इस विक्रय के पूर्व कहीं बय, हिवा, गिरवी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुकृत इत्यादि है। विक्रता को ज्ञाता उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व,

1000 Rs.



- 5 -

हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रता को उक्त विक्रय अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु० 5,42,588/- (लिखया पाँच लाख च्यालिस हजार पाँच सौ अठ्ठासी मात्र) के प्रतिकूल में जिसका कि उपरोक्त क्रेता द्वारा विक्रता की इस बिलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रता नहीं स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रता उक्त क्रेता

1000Rs



- 6 -

को हाथ उपरोक्त वर्गित भूमि, जिलाका निवरण इस विक्रम गिलेश
के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को काटई बेच
दिया है, एवं विकला ने विक्रयशुदा भूमि का गौको पर कब्जा जिला
को बहाली करा दिया गया है। अब उपर आराजी पर विकला तथा
उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विकला ने विक्रयशुदा
सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ पूर्णतया
व हमेशा के लिए जेला को हस्तान्तरित कर दिया है। अब जेला

500Rs.

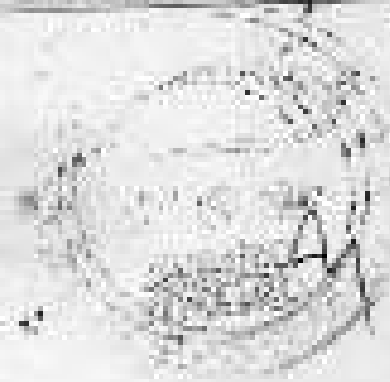


-7-

विक्रयशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति को रख में धारण एवं उपयोग व उपभोग करेंगे। विक्रयता उसमें किसी प्रकार की अड़थक बाधा नहीं डाल सकेंगे एवं न ही कोई मांग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुद्ध सम्पत्ति अथवा कोई भाग विक्रयता के स्वामित्व में नुति के कारण या कानूनी अड़थक या कानूनी नुति के कारण ब्रेका या उसके वारिसान निषादकरण इत्यादि के कब्जे या अधिकार या

शिवचरन

100Rs.



- 8 -

स्वतन्त्र से निकल जावे तो क्रेता उसके वारिसान, निष्काशकान
इत्यादि को यह एक होगा कि यह अपना समस्त मुकदमान मय
हर्जा व खर्चा, विक्रता की पल, अथवा सम्पत्ति से जरिये अदालत
पसुन कर ले। उस स्थित में विक्रता एवं उसके वारिसान हर्जा व
खर्चा देने हेतु बाध्य होगा।

यह कि क्रेता विक्रताशुदा सम्पत्ति की दायित्व लाटिज
राजस्व अगिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो विक्रता को कोई

विक्रताशुदा

100Rs.



आपलि न होगी और यह कि इस विज्ञापन बिलेय को पूर्ण का अगर कोई बख्खाया किसी तरह का मार इस सम्मति पर होना तो उसको विकला मुगलान व वहन करेगे, निहरा को कोई आपलि न होगी।

साह कि उपरोक्त ससरा नम्बर ग्राम आहमानज, आर्थनगरीय क्षेत्र के विशिष्ट काम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकिल रेट रू० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से दिकीत

विश्वसनीय

100Rs.



- 10 -

भूमि 0.289 हेक्टेअर की मातियत रु0 3,17,900/- होती है।
 चूंकि विज्ञान मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए
 नियमानुसार विज्ञान मूल्य पर ही रु0 54,300/- जनरल स्टाम्प
 अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विज्ञान भूमि कृषि के
 उपयोग के लिए कय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ,
 तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी0 के अर्धव्यास में
 कोई निर्माण नहीं है विज्ञान भूमि किली लिंक मार्ग, राजमार्ग व

विज्ञान

100Rs



-11-

जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विजय भूमि शहीद पथ से लगभग एक किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विजय एवं शहीद दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विजय विजय के निष्पत्ति का समस्त व्यय शहीद द्वारा वहन किया गया है।

निष्पत्ति यह विजय विजय विजय ने शहीद के पथ में स्थित दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम आये।

श्री. वि. वि.

100Rs



-12-

परिशिष्ट : निचरत विज्ञानशुद्ध सम्पत्ति का विवरण

खसरा संख्या-639 रकबा 0.771 हेक्टेअर, व खसरा
संख्या-639/1271 रकबा 0.095 हेक्टेअर कुल दो फिता व कुल
रकबा 0.877 हेक्टेअर का 1/3 भाग अर्थात् 0.289 हेक्टेअर स्थित
ग्राम अहमाऊ, परगना, तहसील व जिला- लखनऊ मिसकी
चीहद्दी निम्न है।

श्री क. ल. शर्मा

100Rs.



- 13 -

खसरा नं० 659

पूरुब	: चकटोड
पश्चिम	: खसरा संख्या-660
ऊत्तर	: खसरा संख्या-664
दक्षिण	: खसरा संख्या-658

खसरा नं० 639/1271

पूरुब	: खसरा संख्या-638
पश्चिम	: चकटोड

विशेषज्ञ

100Rs



- 14 -

उत्तर : खसरा संख्या-632
दक्षिण : ककरोड

परिशिष्ट : भुगतान विवरण

कुल रा० 5,42,588/- (अथवा पाँच लाख च्यात्तर हजार
पैंच सौ अठ्ठासी मात्र) बिहला ने क्रेता से नगद प्राप्त किये तथा

श्रीमान २ नं ३

100Rs.



- 15 -

जिस्तगी प्राप्त विजला स्वीकार करता है।

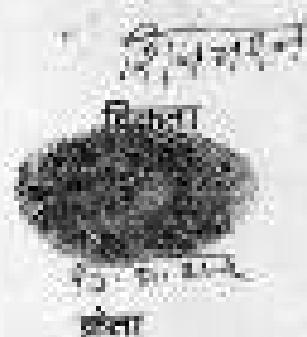
लखनऊ

दिनांक: 03.12.2004

गवाह श्रीमान श्री. सु. श्री. श्री. श्री.

1 श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री.

2 श्रीमान श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री.
288 श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री.



दाहपत्रार्थ

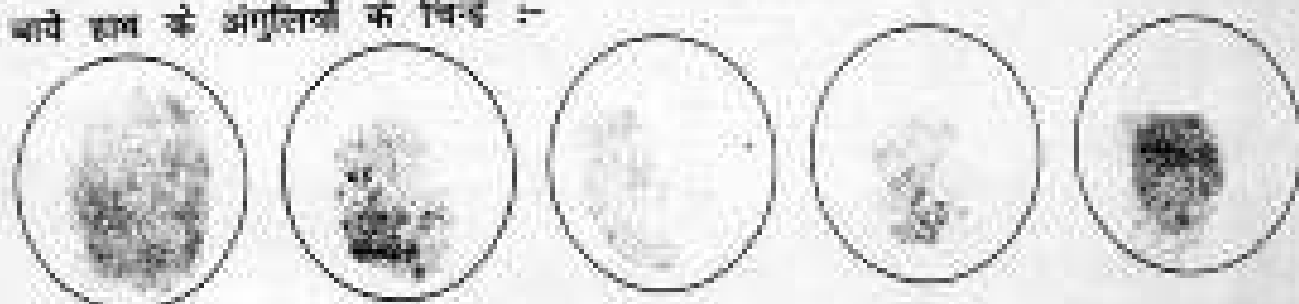
मसविदाकर्ता

श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री.
(श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री. श्री.)

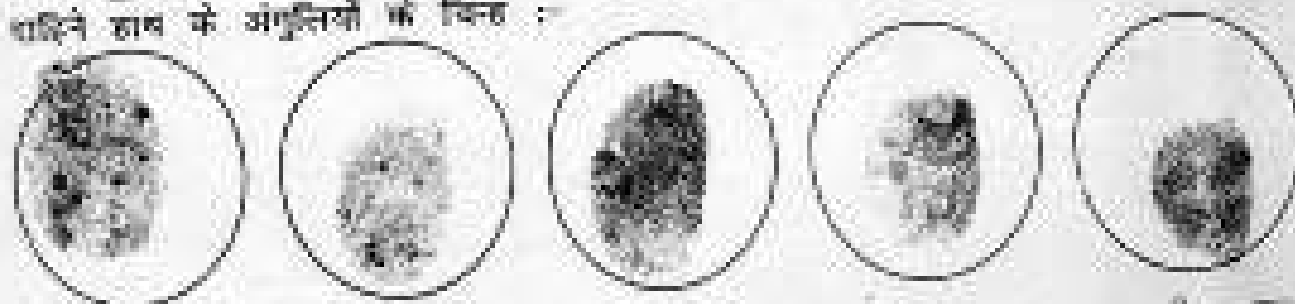
सूचना अधिनियम-1908 की धारा 32-ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

अनुसूचिता/प्रतिष्ठा का नाम व पता :- रिजिस्ट्रार 5/6 लाइन
महानगरपालिका कार्यालय

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

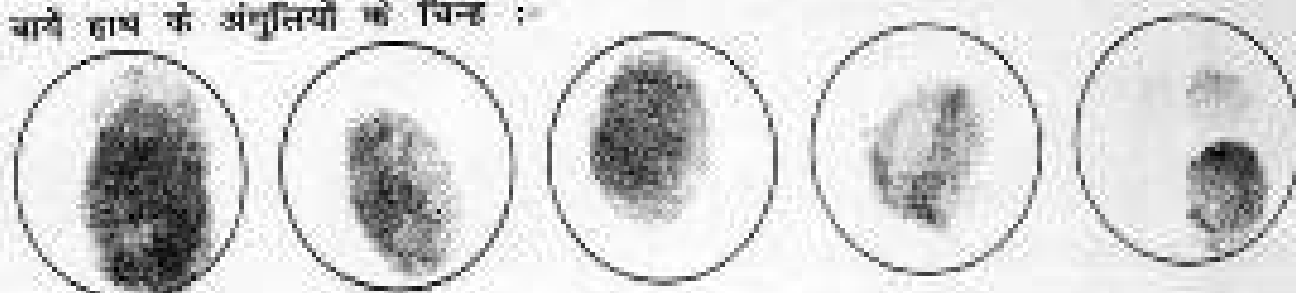


दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

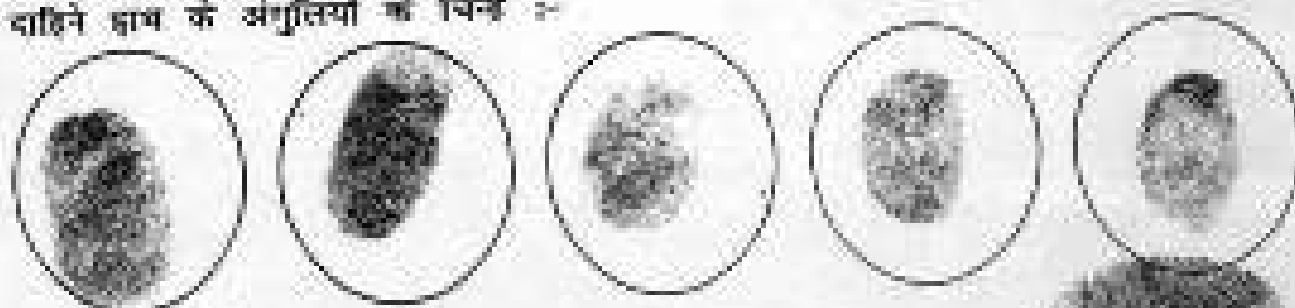


अनुसूचिता/प्रतिष्ठा के हस्ताक्षर
प्रतिष्ठा/अनुसूचिता का नाम व पता :- रिजिस्ट्रार 5/6 लाइन
महानगरपालिका कार्यालय

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

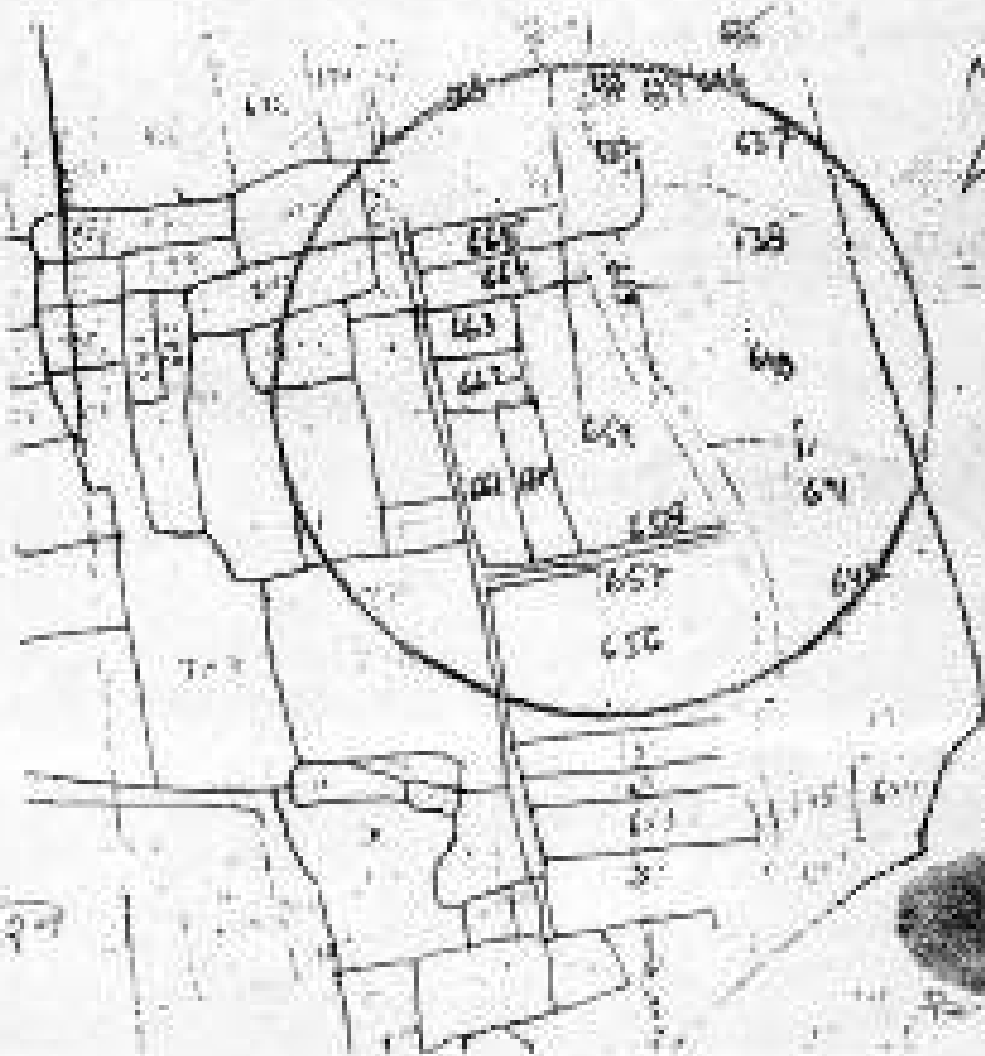


नक्शा नक़्शे

काम :- अहम मेडि ५
 जसरा नि :- ६३५/२५ व ६५५

क्षेत्र :- एक
 विस्तार :- एक चतुर

विशेष सम्पत्ति के बाल विषय सम्पत्ति सम्पत्ति
का विवरण



शिवभक्त

आज दिनांक 03/12/2004 को

परी नं 1 जिल्द नं 4698

पृष्ठ नं 393 से 426 या कलांक 9961

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।


रूप निबन्धक (द्वितीय)
लखनऊ

